@PharmacyIndiaLive

Class dekhne ke liye banner pe click karein

Download Pharmacy India Mobile App from Play Store

@PharmacyIndiaLive

\+ PDF

DOWNLOAD PHARMACY INDIA

MOBILE APP

FROM PLAY STORE

Download Pharmacy India Mobile App from Play Store

@PharmacyIndiaLive

DAILY UPDATES

जुड़िए PHARMACY INDIA के साथ.......

WHATSAPP & TELEGRAM SE JUDNE KE LIYE QR CODE KO SCAN KAREIN

JOIN NOW

SCAN ME

Get the Latest Pharma Updates

WhatsApp

JOIN NOW

SCAN ME

Get the Latest Pharma Updates

Telegram

Download Pharmacy India Mobile App from Play Store

Syllabus

Introduction, scope, and objectives	परिचय, क्षेत्र एवं उद्देश्य
Rational use of Medicines	औषधियों का तर्कसंगत उपयोग
Evidence Based Medicine	साक्ष्य आधारित चिकित्सा
Essential Medicines List	आवश्यक औषधियों की सूची
Standard Treatment Guidelines (STGs)	मानक उपचार दिशानिर्देश (STGs)

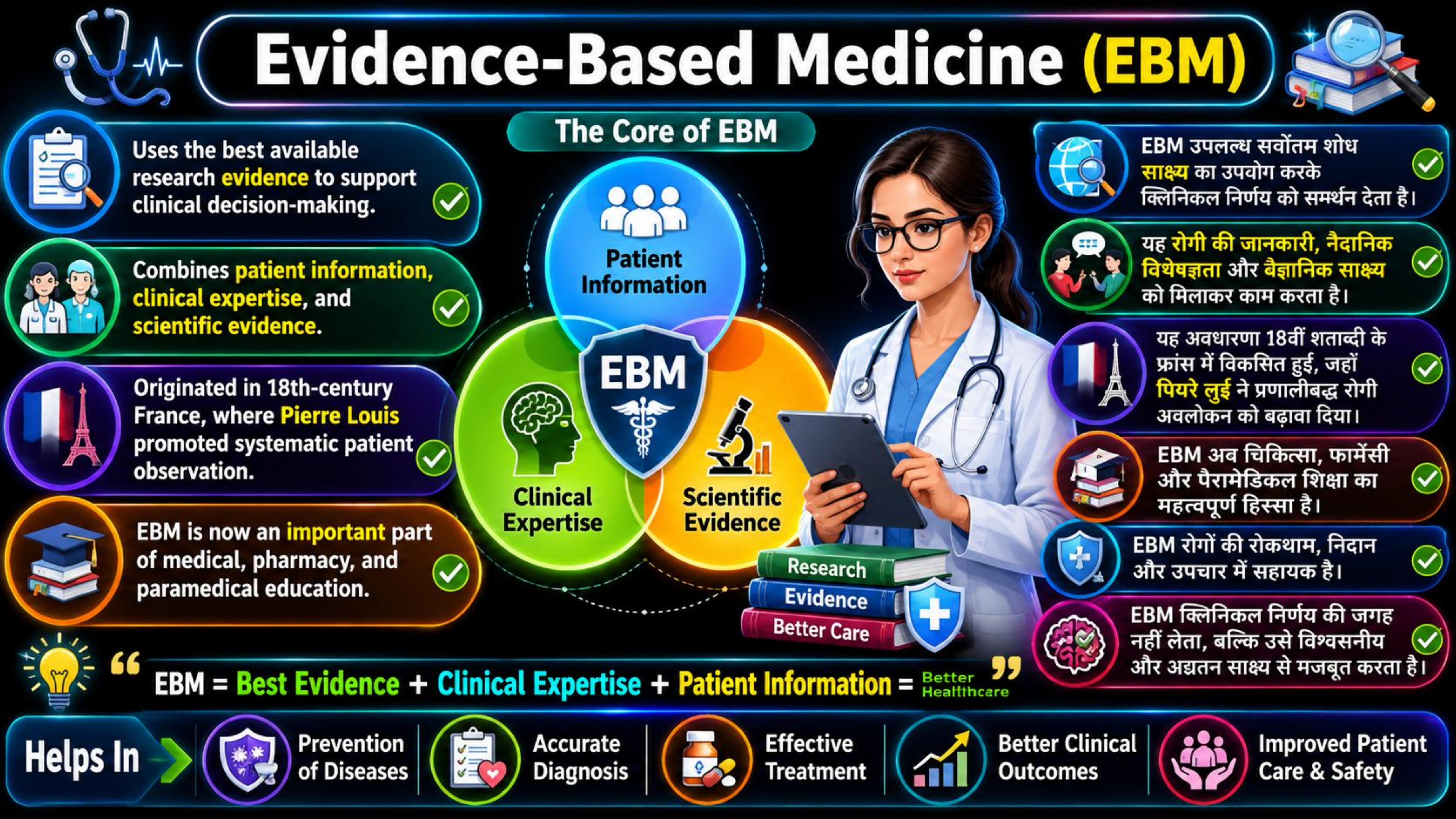

Evidence-Based Medicine (EBM)
The Core of EBM
Uses the best available research evidence to support clinical decision-making.
Combines patient information, clinical expertise, and scientific evidence.
Originated in 18th-century France, where Pierre Louis promoted systematic patient observation.
EBM is now an important part of medical, pharmacy, and paramedical education.
Patient Information
EBM
Clinical Expertise
Scientific Evidence
Research
Evidence
Better Care
EBM उपलत्ध सर्वोतम शोध साक्ष्य का उपवोग करके क्लिनिकल निर्णय को सम्र्थन देता है।
यह रोगी की जानकारी, नैदानिक विथेषज्ञता और बैज्ञानिक साक्ष्य को मिलाकर काम करता है।
यह अवधारणा 18वीं शताव्दी के फ्रांस में विकसित हुई, जहों पियरे लुई ने प्रणालीबद्ध रोगी अवलोकन को बढ़ावा दिया।
EBM अव चिकित्सा, फार्मेसी और पैरामेडिकल शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है।
EBM रोगों की रोकथाम, निदान और उपचार में सहायक है।
EBM क्लिनिकल निर्णय की जगह नहीं लेता, बल्कि उसे विश्वसनीय और अद्यतन साक्ष्य से मजबूत करता है।
“EBM = Best Evidence + Clinical Expertise + Patient Information = Better Healthcare”
Helps In
Prevention of Diseases
Accurate Diagnosis
Effective Treatment
Better Clinical Outcomes
Improved Patient Care & Safety

Need for Evidence-Based Medicine (EBM)
एविडेंस-बेस्ड मेडिसिन (EBM) की आवश्यकता

Why EBM is important in modern healthcare
आधुनिक स्वास्थ्य सेवा में EBM क्यों महत्वपूर्ण है

1 Medical knowledge changes rapidly.
चिकित्सीय ज्ञान तेजी से बदलता है।

2 Uses the latest and most reliable evidence.
नवीनतम और सबसे विश्वसनीय साक्ष्यों का उपयोग करता है।

3 Helps choose the best diagnostic and treatment options.
सर्वश्रेष्ठ निदान और उपचार विकल्प चुनने में मदद करता है।

Best Evidence + Clinical Expertise + Patient Values = Better Patient Outcomes
सर्वश्रेष्ठ साक्ष्य + क्लिनिकल विशेषज्ञता + रोगी के मूल्य = बेहतर रोगी परिणाम

4 Improves quality, safety, and cost-effectiveness of care.
उपचार की गुणवत्ता, सुरक्षा और लागत-प्रभावशीलता बढ़ाता है।

5 Reduces treatment errors and unnecessary interventions.
उपचार त्रुटियों और अनावश्यक हस्तक्षेप को कम करता है।

6 Supports clinical decisions, not professional judgment.
यह क्लिनिकल निर्णयों का समर्थन करता है, पेशेवर निर्णय का स्थान नहीं लेता।

- **Question / प्रश्न** – Ask / पूछें
- **Evidence / साक्ष्य** – Search / खोजें
- **Appraise / मूल्यांकन** – Evaluate / जाँचें
- **Apply / लागू करें** – Integrate / अपनाएँ
- **Assess / आकलन** – Evaluate Outcomes / परिणाम जाँचें

EBM PROCESS

साक्ष्य-आधारित चिकित्सा प्रक्रिया

1 ASK THE QUESTION
Recognize information needs and convert them into answerable questions.

2 ACQUIRE THE EVIDENCE
Conduct efficient searches for the best evidence with which to answer these questions.

3 APPRAISE THE EVIDENCE
Critically evaluate the evidence for its validity and usefulness.

4 APPLY THE RESULTS
Apply the results to patient situations to best assist clinical decision making.

5 SELF-EVALUATION
Evaluate your decision with the result.

1 प्रश्न पूछें
जानकारी की आवश्यकता को पहचानें और उन्हें उत्तर देने योग्य प्रश्नों में परिवर्तित करें।

2 साक्ष्य प्राप्त करें
इन प्रश्नों के उत्तर देने के लिए सर्वोत्तम साक्ष्य खोजने हेतु कुशल खोज करें।

3 साक्ष्य का मूल्यांकन करें
साक्ष्य की वैधता और उपयोगिता का आलोचनात्मक मूल्यांकन करें।

4 परिणामों को लागू करें
रोगी की स्थिति पर परिणामों को लागू करें ताकि बेहतर नैदानिक निर्णय लिया जा सके।

5 स्व-मूल्यांकन करें
परिणाम के साथ अपने निर्णय का मूल्यांकन करें।

EBM in One Line
Ask → Acquire → Appraise → Apply → Evaluate = Better Patient Care

एक पंक्ति में EBM
प्रश्न पूछें → साक्ष्य प्राप्त करें → मूल्यांकन करें → लागू करें → मूल्यांकन करें = बेहतर रोगी देखभाल

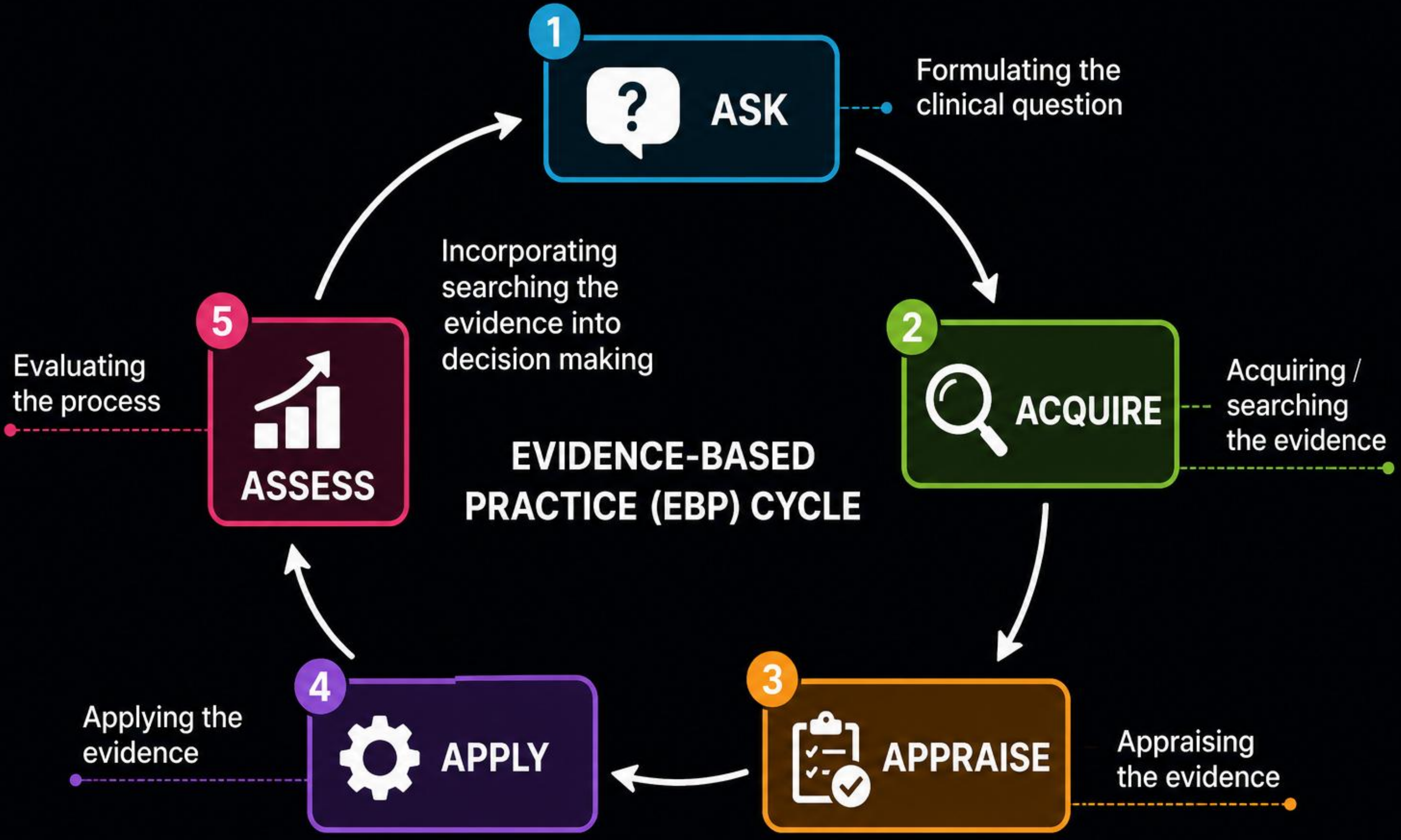

PHARMACY INDIA LIVE
Download PHARMACY INDIA App from play store

STEP 1: FORMULATING THE CLINICAL QUESTION

Formulating the Clinical Question

Use the PICO format:

- **P – Patient/Problem:** Patient characteristics or disease
- **I – Intervention:** Treatment, test, or exposure
- **C – Comparison:** Alternative treatment or no treatment
- **O – Outcome:** Expected clinical result

Example:

- P: 6-month-old baby with viral bronchiolitis
- I: Corticosteroids
- C: No corticosteroids
- O: Improved clinical score and shorter hospital stay

चरण 1: चिकित्सीय प्रश्न का निर्माण

PICO प्रारूप का उपयोग करें:

- **P – रोगी/समस्या:** रोगी की विशेषताएँ या बीमारी
- **I – हस्तक्षेप:** उपचार, जोंच, या एक्सपोजर
- **C – तुलना:** वैकल्पिक उपचार या कोई उपचार नहीं
- **O – परिणाम:** अपेक्षित नैदानिक परिणाम

उदाहरण:

- P: वायरल ब्रोंकियोलाइटिस वाला 6 महीने का शिशु
- I: कॉर्टिकोस्टेरॉयड्स
- C: कोई कॉर्टिकोस्टेरॉयड्स नहीं
- O: बेहतर क्लिनिकल स्कोर और कम अस्पताल प्रवास

A well-built PICO question leads to the best evidence and better decisions.

एक अच्छा PICO प्रश्न सर्वोत्तम साक्ष्य और बेहतर निर्णय की ओर ले जाता है।

Step 2: Finding the Evidence
चरण 2: साक्ष्य की खोज

Search the best evidence / सर्वोत्तम साक्ष्य खोजें

1. Frame a PICO/PIO question
2. Choose keywords & synonyms
3. Search trusted databases
4. Use Boolean operators: AND = narrow, OR = broaden (A AND B)
5. Prefer current, reliable summarized evidence

1. PICO/PIO प्रश्न तैयार करें
2. उपयुक्त कीवर्ड और समानार्थी शब्द चुनें
3. विश्वसनीय डेटाबेस में खोज करें
4. Boolean operators प्रयोग करें: AND = खोज संकीर्ण, OR = समान शब्द शामिल (A AND B)
5. पुरानी पुस्तकों की बजाय नवीन, विश्वसनीय, संक्षिप्त साक्ष्य को प्राथमिकता दें

Question / प्रश्न → Keywords / कीवर्ड → Database / डेटाबेस → Search / खोज → Best Evidence / श्रेष्ठ साक्ष्य

STEP 3: APPRAISING THE EVIDENCE

Critically evaluate the evidence before applying it in patient care.

रोगी देखभाल में लागू करने से पहले साक्ष्य का आलोचनात्मक मूल्यांकन करें।

1 VALIDITY

Are the study results reliable?

- Was the study well designed?
- Was it conducted properly?
- Are the results free from bias?

2 RESULTS

What are the main findings?

- What do the results show?
- How large is the effect?
- Are the results statistically and clinically significant?

3 APPLICABILITY

Can the findings help in patient care?

- Do the results apply to my patient?
- Are the benefits worth the risks?
- Can I apply this in my setting?

Good appraisal leads to better decisions and better outcomes.

1 वैधता (Validity)

क्या अध्ययन के परिणाम विश्वसनीय हैं?

- क्या अध्ययन की रूपरेखा अच्छी थी?
- क्या इसे सही तरीके से किया गया?
- क्या परिणाम पूर्वाग्रह से मुक्त हैं?

2 परिणाम (Results)

मुख्य निष्कर्ष क्या हैं?

- परिणाम क्या दर्शाते हैं?
- प्रभाव का आकार कितना हैं?
- क्या परिणाम सांख्यिकीय और चिकित्सीय रूप से महत्वपूर्ण हैं?

3 प्रयोज्यता (Applicability)

क्या निष्कर्ष रोगी देखभाल में सहायक हो सकते हैं?

- क्या परिणाम मेरे रोगी पर लागू होते हैं?
- क्या लाभ जोखिम के योग्य हैं?
- क्या मैं इसे अपने स्थान पर लागू कर सकता हूँ?

Appraise → Decide → Apply → Improve

Trust the evidence, improve patient care.

मूल्यांकन करें → निर्णय लें → लागू करें → सुधार करें

साक्ष्य पर भरोसा करें, रोगी देखभाल में सुधार करें।

STEP 4: APPLYING THE EVIDENCE

Applying the best evidence to patient care

1 CONFIRM VALID & RELEVANT EVIDENCE

Ensure the evidence is **valid**, **current** and **applicable** to the patient.

2 CONSIDER PATIENT FACTORS

Consider the patient's **condition**, **values**, **preferences**, and **socio-economic factors**.

3 COMBINE ALL THREE

Combine **best evidence**, **clinical expertise**, and **patient choice**.

4 SHARED DECISION MAKING

Explain treatment options clearly and make a **shared clinical decision** with the patient.

BEST EVIDENCE
+ CLINICAL EXPERTISE
+ PATIENT CHOICE

BETTER PATIENT CARE

1 साक्ष्य की वैधता और प्रासंगिकता की पुष्टि करें

यह सुनिश्चिच करें कि साक्ष्य **वैध**, **नवीनतम** और रोगी के लिए **उपयुक्त** है।

2 रोगी से संबंधित कारकों पर विचार करें

रोगी की **स्थिति**, **मूल्य**, **प्राथमिकताएं** और **सामाजिक-आर्थिक** कारकों पर विचार करें।

3 तीनों का समुचित संयोजन करें

सर्वोत्तम **साक्ष्य**, **नैदानिक विशेषज्ञता** और **रोगी की पसंद** को मिलाएं।

4 साझा नैदानिक निर्णय लें

उपचार विकल्पों को स्पष्ट रूप से समझाएँ और रोगी के साथ मिलकर **साझा नैदानिक निर्णय** लें।

STEP 5
EVALUATING PERFORMANCE

ENGLISH	हिंदी
Assess the **effectiveness** of the evidence-based intervention.	साक्ष्य-आधारित हस्तक्षेप की **प्रभावशीलता** का मूल्यांकन करें।
Compare **actual patient** outcomes with **expected results**.	**वास्तविक** रोगी परिणामों की तुलना **अपेक्षित परिणामों** से करें।
Identify **reasons** for poor or **unexpected responses**.	कम या अप्रत्याशित प्रतिक्रियाओं के **कारणों** की पहचान करें।
Modify the treatment approach when necessary.	आवश्यकता होने पर उपचार दृष्टिकोण में **संशोधन** करें।

GOAL: Ensure the best possible patient outcomes through continuous assessment and improvement.

लक्ष्य: निरंतर मूल्यांकन और सुधार के माध्यम से सर्वोत्तम रोगी परिणाम सुनिश्चित करना।

ESSENTIAL MEDICINES LIST (EML)

Essential Medicines List | आवश्यक औषधि सूची

ENGLISH

- Medicines that meet priority healthcare needs.
- Limited list of carefully selected medicines.
- Improves healthcare, rational use, low cost, and drug management.
- Must be available always, in adequate quantity, proper dosage forms, and affordable prices.
- First WHO Model List: 1977 (186 medicines).
- First WHO EML for Children (EMLc): 2007.
- WHO updates the Model List every 2 years.

1977
First WHO Model List (186 medicines)

2007
First WHO EML for Children (EMLc)

EVERY 2 YEARS
WHO updates the Model List

हिंदी

- जनसंख्या की प्राथमिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने वाली दवाएँ।
- सावधानीपूर्वक चुनी गई सीमित दवाओं की सूची।
- बेहतर स्वास्थ्य सेवा, तर्कसंगत उपयोग, कम लागत और बेहतर दवा प्रबंधन सुनिश्चित करती है।
- दवाएँ हर समय, पर्याप्त मात्रा, उचित डोज़ फॉर्म और किफायती कीमत पर उपलब्ध होनी चाहिए।
- पहली WHO मॉडल सूची: 1977 (186 दवाएँ)।
- बच्चों के लिए पहली WHO EMLc: 2007।
- WHO हर 2 वर्ष में सूची अपडेट करता है।

ADVANTAGES OF ESSENTIAL MEDICINES LIST

Advantages of EML | EML के लाभ

ENGLISH

- Improves quality and cost-effectiveness of healthcare.
- Ensures availability of essential medicines.
- Promotes rational and appropriate drug use.
- Guides drug procurement and reimbursement.
- Supports local medicine manufacturing.
- Reduces prescribing errors and patient-care costs.

हिंदी

- स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता और लागत-प्रभावशीलता बढ़ाता है।
- आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करता है।
- तर्कसंगत और उचित दवा उपयोग को बढ़ावा देता है।
- दवा खरीद और प्रतिपूर्ति में मार्गदर्शन देता है।
- स्थानीय दवा निर्माण को समर्थन देता है।
- प्रिस्क्रिप्शन त्रुटियाँ और रोगी-देखभाल लागत कम करता है।

SELECTION CRITERIA

Selection Criteria | चयन मानदंड

ENGLISH

- Disease prevalence in the region/country.
- Morbidity and mortality pattern.
- Efficacy and safety of medicines.
- Facilities available at healthcare institutions.
- Skill, knowledge and training of professionals.
- Financial availability of medicines.
- Storage facilities.
- Economic, genetic and demographic factors.

हिंदी

- क्षेत्र/देश में रोगों की व्यापकता।
- बीमारी और मृत्यु-दर का पैटर्न।
- दवाओं की प्रभावकारिता और सुरक्षा।
- स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध सुविधाएँ।
- स्वास्थ्यकर्मियों का कौशल, ज्ञान और प्रशिक्षण।
- दवाओं की वित्तीय उपलब्धता।
- भंडारण सुविधाएँ।
- आर्थिक, आनुवंशिक और जनसांख्यिकीय कारक।

USES OF THE ESSENTIAL MEDICINES LIST

Uses of EML | EML के उपयोग

ENGLISH

1. Helps develop national Standard Treatment Guidelines.
2. Guides government medicine purchase and distribution.
3. Supports medicine donation management.
4. Determines medicines eligible for state reimbursement.
5. Promotes free or subsidized patient treatment.

हिंदी

1. राष्ट्रीय Standard Treatment Guidelines बनाने में मदद करता है।
2. सरकारी दवा खरीद और वितरण का मार्गदर्शन करता है।
3. दवा दान प्रबंधन को समर्थन देता है।
4. राज्य प्रतिपूर्ति हेतु पात्र दवाओं का निर्धारण करता है।
5. नि:शुल्क या सब्सिडी वाले उपचार को बढ़ावा देता है।

CRITERIA FOR INCLUSION IN NLEM (INDIA)

Inclusion in NLEM | NLEM में शामिल करने के मानदंड

ENGLISH

1. Approved and licensed in India.
2. Relevant to major public health needs.
3. Proven safety and efficacy.
4. Cost-effective based on total treatment cost.
5. Consistent with current treatment guidelines.
6. Stable under Indian storage conditions.
7. Best-suited medicine chosen from each therapeutic class.
8. FDCs included only when clearly advantageous.
9. Classified for Primary, Secondary and Tertiary levels.

हिंदी

1. भारत में स्वीकृत और लाइसेंस प्राप्त।
2. प्रमुख जनस्वास्थ्य आवश्यकताओं से संबंधित।
3. सुरक्षा और प्रभावकारिता प्रमाणित।
4. कुल उपचार लागत के आधार पर लागत-प्रभावी।
5. वर्तमान उपचार दिशानिर्देशों के अनुरूप।
6. भारतीय भंडारण परिस्थितियों में स्थिर।
7. प्रत्येक औषधि वर्ग से सबसे उपयुक्त दवा चयनित।
8. FDC केवल स्पष्ट लाभ होने पर शामिल।
9. प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक स्तर के लिए वर्गीकृत।

PHARMACY INDIA LIVE
Download PHARMACY INDIA App from play store

CRITERIA FOR DELETION FROM NLEM

Deletion from NLEM | NLEM से हटाने के मानदेड

ENGLISH

- Medicine is **banned** in India.
- Serious **safety concerns** are reported.
- A **safer**, more **effective** and **cost-effective alternative** is available.
- The disease is **no longer** a major national **health concern.**
- Antimicrobial **resistance** has made the medicine **ineffective**.

हिंदी

- दवा भारत में **प्रतिबंधित** हो।
- गंभीर सुरक्षा **चिंताएँ** सामने आएँ।
- **अधिक सुरक्षित**, **प्रभावी** और **लागत-प्रभावी** विकल्प उपलब्ध हो।
- रोग अब प्रमुख राष्ट्रीय **स्वास्थ्य चिंता** न हो।
- **एंटीमाइक्रोबियल रेजिसेटेंस** के कारण दवा अप्रभावी हो जाए।

NATIONAL LIST OF ESSENTIAL MEDICINES (NLEM)

National List of Essential Medicines | राष्ट्रीय आवश्यक औषधि सूची

ENGLISH

- Published and revised by the Ministry of Health and Family Welfare, Government of India.
- Ensures availability of essential medicines.
- Medicines are classified for Primary (P), Secondary (S), and Tertiary (T) healthcare levels.

अ हिंदी

- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित और संशोधित।
- आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करती है।
- दवाएँ प्राथमिक (P), द्वितीयक (S) और तृतीयक (T) स्वास्थ्य स्तरों के लिए वर्गीकृत होती हैं।

PURPOSE OF NLEM

Purpose of NLEM | NLEM का उद्देश्य

ENGLISH

- Ensures safe and effective treatment of priority diseases.
- Promotes rational use of medicines.
- Optimizes available healthcare resources.
- Guides state essential medicine lists.
- Supports public-sector procurement and supply.
- Helps determine employee and insurance reimbursement.
- Defines essential learning areas for healthcare professionals.

हिंदी

- प्राथमिक रोगों के लिए सुरक्षित और प्रभावी उपचार सुनिश्विच करता है।
- दवाओं के तर्कसंगत उपयोग को बढ़ावा देता है।
- उपलब्ध स्वास्थ्य संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग करता है।
- राज्य आवश्यक औषधि सूचियों का मार्गदर्शन करता है।
- सार्वजनिक क्षेत्र की खरीद और आपूर्ति को समर्थन देता है।
- कर्मचारी और बीमा प्रतिपूर्ति तय करने में मदद करता है।
- स्वास्थ्य पेशोवरों के लिए आवश्यक शिक्षण क्षेत्रों को परिभाषित करता है।

STANDARD TREATMENT GUIDELINES

Standard Treatment Guidelines | मानक उपचार दिशानिर्देश

ENGLISH

- Define the minimum standard of patient care.
- Guide appropriate treatment for specific clinical conditions.
- Promote safe, effective and uniform healthcare practices.
- Used under Ayushman Bharat–PMJAY health packages.
- Also called treatment protocols or therapeutic guidelines.
- Include preferred drug and non-drug treatments.
- Specify drug name, dosage form, strength, dose and duration.
- May include diagnosis, patient advice and preventive care.

STANDARD TREATMENT GUIDELINES

- Evidence Based
- Standardized Care
- Quality & Safety
- Patient Centric

DIAGNOSIS
Identify the clinical condition

TREATMENT APPROACH
Recommended management

DRUG DETAILS
Preferred drugs and alternatives

DOSAGE
Dose, dosage form, strength

DURATION
Length of treatment

PATIENT ADVICE
Counseling, lifestyle, follow-up

PREVENTIVE CARE
Immunization, screening, health promotion

AYUSHMAN BHARAT–PMJAY
Accessible. Affordable. Quality Healthcare for All.
Used under Ayushman Bharat–PMJAY health packages

हिंदी

- रोगी देखभाल का न्यूनतम मानक निर्धारित करते हैं।
- विशेष रोग स्थितियों के लिए उचित उपचार का मार्गदर्शन करते हैं।
- सुरक्षित, प्रभावी और समान स्वास्थ्य-प्रथाओं को बढ़ावा द्देते हैं।
- आयुष्मान भारत – PMJAY स्वास्थ्य पैकेजों में उपयोंग होते हैं।
- इन्हें treatment protocols या therapeutic guidelines भी कहा जाता है।
- पसंदीदा दवा तथा गैर-दवा उपचार शामिल करते हैं।
- दवा का नाम, डोज़ फॉर्म, स्ट्रेंथ, डोज़ और अवधि बताते हैं।
- निदान, रोगी सलाह और निवारक देखभाल भी शामिल हो सकती है।

ADVANTAGES OF STANDARD TREATMENT GUIDELINES

Advantages of STGs | मानक उपचार दिशानिर्देशों के लाभ

ENGLISH

- Provide uniform and systematic treatment guidance.
- Promote effective, safe and high-quality care.
- Support less-experienced healthcare practitioners.
- Encourage rational use of essential medicines.
- Improve diagnosis and treatment decisions.
- Help monitor healthcare quality.
- Reduce treatment and medicine costs.
- Integrate national health programmes.
- Improve drug supply planning and management.

हिंदी

- एकरूप और व्यवस्थित उपचार मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।
- प्रभावी, सुरक्षित और उच्च-गुणवत्ता वाली देखभाल को बढ़ावा देते हैं।
- कम अनुभवी स्वास्थ्यकर्मियों को सहायता देते हैं।
- आवश्यक दवाओं के तर्कसंगत उपयोग को प्रोत्साहित करते हैं।
- निदान और उपचार निर्णयों में सुधार करते हैं।
- स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता की निगरानी में मदद करते हैं।
- उपचार और दवाओं की लागत कम करते हैं।
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के एकीकरण में मदद करते हैं।
- दवा आपूर्ति की योजना और प्रबंधन में सुधार करते हैं।

EVIDENCE BASED | PATIENT CENTRED | CONSISTENT CARE | BETTER OUTCOMES

DISADVANTAGES OF STANDARD TREATMENT GUIDELINES

Disadvantages of STGs | मानक उपचार दिशानिर्देशों की सीमाएं

ENGLISH

- Inaccurate guidelines may lead to harmful treatment.
- May not use the latest reliable evidence.
- Development and revision are time-consuming.
- Require regular updates to prevent becoming outdated.

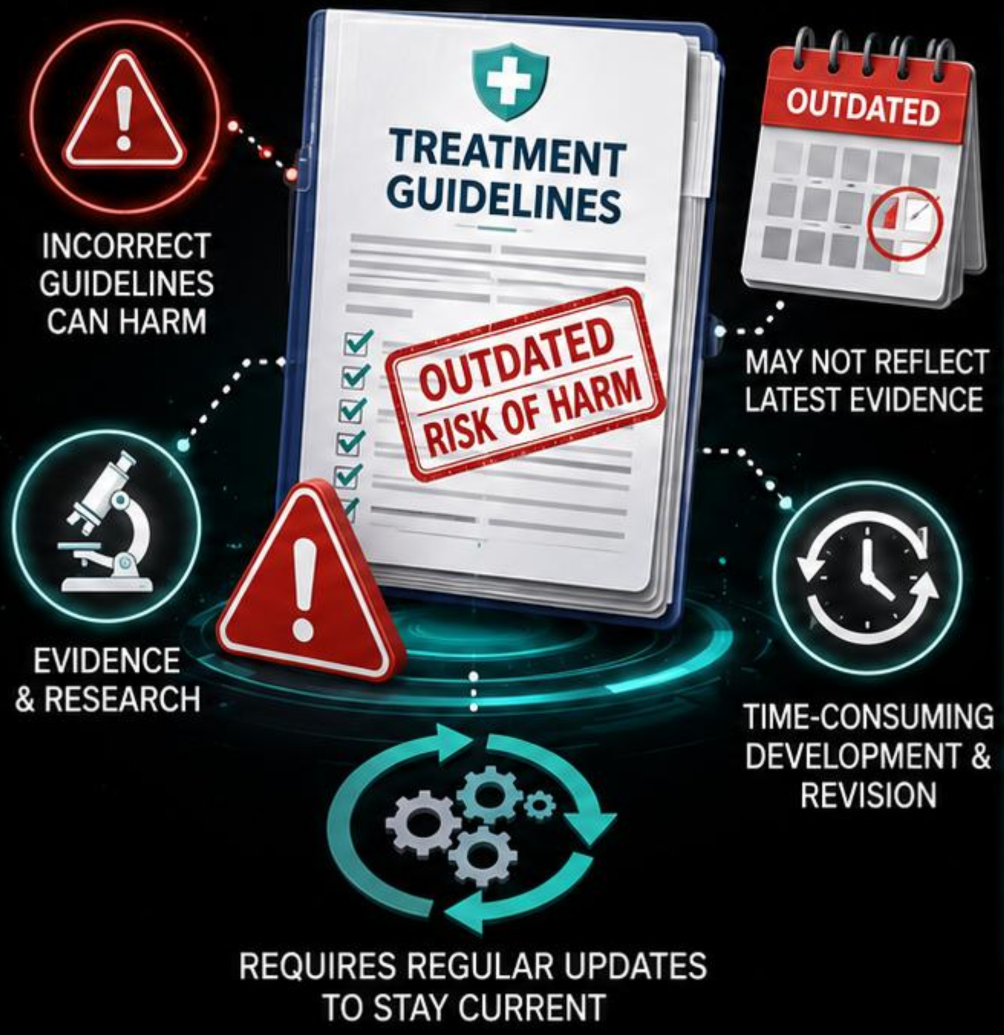

हिंदी

- गलत दिशानिर्देश हानिकारक उपचार का कारण बन सकते हैं।
- इनमें हमेशा नवीनतम विश्वसनीय साक्ष्य शामिल नहीं होते।
- इनका विकार और संशोधन समय लेने वाला होता है।
- पुराने होने से बचाने के लिए नियमित अपडेट आवश्यक हैं।

STEPS IN ESTABLISHING STGs

Establishing STGs | STGs स्थापित करने के चरण

ENGLISH

1. Form an STG development committee.
2. Prepare a clear plan, timeline and format.
3. Appoint writers, contributors and reviewers.
4. Identify common and serious diseases.
5. Consult all relevant medical departments.
6. Select evidence-based treatment options.

हिंदी

1. STG विकास समिति का गठन करें।
2. स्पष्ट योजना, समय-सीमा और प्रारूप तैयार करें।
3. लेखक, सहयोगी और समीक्षक नियुक्त करें।
4. सामान्य और गंभीर रोगों की पहचान करें।
5. सभी संबंधित चिकित्सा विभागों से परामर्श करें।
6. साक्ष्य-आधारित उपचार विकल्पों का चयन करें।

INFORMATION INCLUDED IN STGs

Information in STGs | STGs में शामिल जानकारी

ENGLISH

- Clinical condition and diagnostic criteria.
- Treatment goals.
- Drug and non-drug treatments.
- Preferred medicines and alternatives.
- Dose, duration, contraindications and side effects.
- Drug interactions and warnings.
- Referral criteria.
- Patient education.
- Management of poor clinical response.

हिंदी

- रोग की स्थिति और निदान मानदंड।
- उपचार के लक्ष्य।
- औषधीय और गैर-औषधीय उपचार।
- पसंदीदा दवाएँ और उनके विकल्प।
- डोज़, अवधि, निषेध और दुष्प्रभाव।
- दवा अंतःक्रियाएँ और चेतावनियाँ।
- रेफरल मानदंड।
- रोगी शिक्षा।
- कमजोर नैदानिक प्रतिक्रिया का प्रबंधन।

STANDARD TREATMENT GUIDELINES USED IN INDIA

STGs used in India | भारत में प्रयुक्त STGs

ENGLISH

- Hypertension Guidelines (2017) – MoHFW.
- Antimicrobial Use Guidelines – ICMR.
- Drug-Resistant TB Guidelines (2021) – NTEP.
- Dengue Management Guidelines (2015) – NVBDCP & WHO.
- Standard Treatment Protocol – Maharashtra Government.
- Medical Therapeutics Manual (2014) – Gujarat Government.
- Standard Treatment Guidelines (2016) – Madhya Pradesh Government.

EVIDENCE-BASED • STANDARDIZED • CONTEXT-SPECIFIC • PATIENT-CENTRIC

IMPROVES QUALITY OF CARE | ENSURES CONSISTENCY | SUPPORTS CLINICAL DECISIONS | BETTER HEALTH OUTCOMES | PUBLIC HEALTH IMPACT

हिंदी

- हाइपरटेंशन गाइडलाइन्स (2017) – MoHFW।
- एंटीमाइक्रोबियल उपयोग गाइडलाइन्स – ICMR।
- ड्रग-रेज़िस्टेंट TB गाइडलाइन्स (2021) – NTEP।
- डेंगू प्रबंधन गाइडलाइन्स (2015) – NVBDCP एवं WHO।
- स्टैंडर्ड ट्रीटमेंट प्रोटोकॉल – महाराष्ट्र सरकार।
- मेडिकल थैरेप्यूटिक्स मैनुअल (2014) – गुजरात सरकार।
- स्टैंडर्ड ट्रीटमेंट गाइडलाइन्स (2016) – मध्य प्रदेश सरकार।

Guidelines for Better Care. Better Health. Better India.

@PharmacyIndiaLive

Frequently asked questions
अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों

Download PHARMACY INDIA App from play store
Download Pharmacy India Mobile App from Play Store

@PharmacyIndiaLive

1. Define and explain evidence-based medicines. Write significance of evidence-based medicines.

सबूत-आधारित दवाओं (evidence-based medicines) को परिभाषित और स्पष्ट करें। सबूत-आधारित दवाओं का महत्व लिखें।

Download Pharmacy India Mobile App from Play Store

PHARMACY INDIA LIVE

2. Explain purpose and content of standard treatment guidelines.

मानक उपचार दिशानिर्देशों के उद्देश्य और सामग्री के बारे में बताएं।

Download PHARMACY INDIA App from play store

Download Pharmacy India Mobile App from Play Store

@PharmacyIndiaLive

3. What is EBM. Briefly explain the steps involved in EBM.

EBM क्या है? EBM में शामिल चरणों को संक्षेप में समझाएँ।

Download Pharmacy India Mobile App from Play Store

PHARMACY INDIA LIVE

4. Write a short note on National List of Essential Medicines (NLEM].

ज़रूरी दवाओं की राष्ट्रीय सूची (NLEM) पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

PHARMACY INDIA
Download PHARMACY INDIA App from play store

Download Pharmacy India Mobile App from Play Store

5. Briefly explain the essential drug list.

ज़रूरी दवाओं की सूची के बारे में संक्षेप में बताएं।

Download
PHARMACY INDIA
App from play store

Download Pharmacy India Mobile App from Play Store

UDAAN
PACKAGE 2
JULY BATCH
D.PHARMA 2ND YEAR
COURSE HIGHLIGHTS:
ADMISSION OPEN....
250+ Live Classes
Recorded Lectures
Model Paper E-Notes Pdf
Test Series
Chapterwise Syllabus Complete
Language (Hindi + English)
Weekly Doubt Sessions
LIVE
CLASSES STARTS FROM
01 AUG, 2026
PHARMACY INDIA
PHARMACY INDIA LIVE
Download
PHARMACY INDIA
App from play store

D.Pharma 2nd year
Bilingual Book (द्विभाषी पुस्तक)
As per the PCI Syllabus
पी.सी.आई. पाठ्यक्रम के अनुसार
PHARMACOLOGY
फार्माकोलॉजी
ER20-21T
COMMUNITY PHARMACY & MANAGEMENT
सामुदायिक फार्मेसी और प्रबंधन
ER20-22T
BIOCHEMISTRY & CLINICAL PATHOLOGY
जैवरसायन और नैदानिक विकृति विज्ञान
ER20-23T
HOSPITAL & CLINICAL PHARMACY
अस्पताल और नैदानिक फार्मेसी
ER20-25T
PHARMACOTHERAPEUTICS
फार्माकोथेरेप्यूटिक्स
ER20-24T
PHARMACY LAW & ETHICS
फार्मेसी कानून और नीतिशास्त्र
ER20-26T
Diploma in Pharmacy
द्विभाषी पुस्तक
(English & Hindi)
D.Pharma 2nd Year
CASH ON DELIVERY
AVAILABLE ON
amazon
Flipkart
meesho

PHARMACY INDIA
Download
PHARMACY INDIA
App from play store

@PharmacyIndiaLive

+ PDF

DOWNLOAD PHARMACY INDIA

MOBILE APP

FROM PLAY STORE

Download Pharmacy India Mobile App from Play Store

@PharmacyIndiaLive

DAILY UPDATES

जुड़िए PHARMACY INDIA के साथ.......

WHATSAPP & TELEGRAM SE JUDNE KE LIYE QR CODE KO SCAN KAREIN

JOIN NOW

SCAN ME

Get the Latest Pharma Updates

WhatsApp

JOIN NOW

SCAN ME

Get the Latest Pharma Updates

Telegram

Download Pharmacy India Mobile App from Play Store